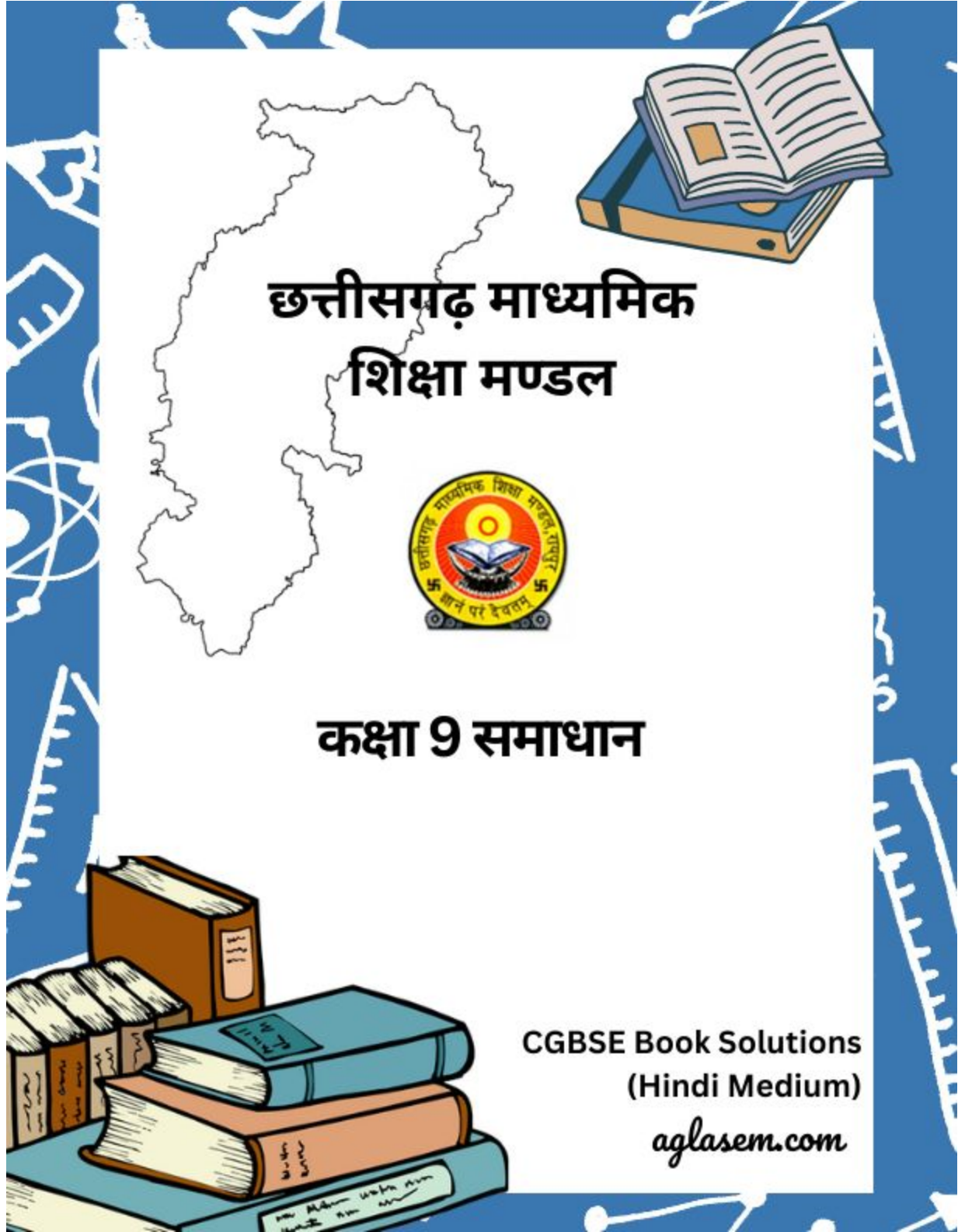


CG Board Class 9 Social Science Solutions



CGBSE Class 9 SST Solutions

Chapter - 17

भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप

भाग- 2 (उद्योग एवं सेवा क्षेत्र)

Page No. - 247

प्रश्न 1. आधारभूत उद्योगों की स्थापना क्यों की जाती है

उत्तर :- आधारभूत उद्योगों का तात्पर्य उन प्रकार के उद्योगों से करते हैं जो कि विकास व उद्योग कारखानों के चलाने व लगाने प्राथमिक प्रयोग में लाते हैं। आधारभूत उद्योगों की स्थापना सरकार द्वारा की गई क्योंकि इसमें विशाल दूरी की आवश्यकता होती है जैसे बिजली घर, बालू, तथा अयस्कों को खदान कोयला, चूना, ग्रेनाइट या लोहा इत्यादि प्रमुख होते हैं।

Page No. - 247

प्रश्न 2. भिलाई इस्पात कारखाना आधारभूत उद्योग का एक उदाहरण है, समझाइए।

उत्तर :- जैसा कि हम जानते हैं कि लोहा एक प्रमुख खनिज है, जो सभी उद्योगों तथा अन्य कार्यों में प्रमुखता से प्रयुक्त होता है। जिसके उत्पादन तथा उपलब्धता के लिए सरकार ने सर्वप्रथम भिलाई स्टील प्लांट की स्थापना की जो आधारभूत उद्योग का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।

Page No. - 248

प्रश्न 3. उद्योगों के विस्तार के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन-से कदम उठाए गए हैं?

उत्तर :- उद्योगों के विकास के लिए सरकार ने कई कदम उठाए, जिनमें प्रमुख आधारभूत उद्योग की स्थापना तथा कपड़ों, हैंडलूम तथा अन्य छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित किया गया, तथा उद्योगों को सरकार ने अपने हाथों में रखा, जिसमें बेरोजगारी नहीं है। बड़े उद्योगों के लाइसेंसी प्रणाली की तथा उत्पादन की मात्रा विकसित की गई।

Page No. - 248

प्रश्न 4. लाइसेंसिंग प्रणाली के कारण कौन-कौन सी समस्याएं सामने आई ?

उत्तर :- शुरुआती दौर में सरकार द्वारा कुछ भारी उद्योगों को चलाने वाला लगाने के लिए लाइसेंसी प्रणाली यूको जिसका उद्देश्य छोटे व मझोले व्यापारियों तथा श्रमिकों के हितों की रक्षा करना था। परंतु आगे चलकर लाइसेंस प्रणाली कुछ जटिल समस्या उत्पन्न होने लगी, जिसमें कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा आसानी से लाइसेंसी ले लिया जाता था। लेकिन छोटे उद्योग पतियों को भूमि समस्याओं का सामना करना पड़ा और कुछ उद्योगों से बड़े लोगों का एक शिकार हो गया, तथा तकनीकी विकास रुक गया, सरकारी क्षेत्रों में घाटे होने लगे। पूंजी की कमी तथा श्रमिकों के साथ दुर्व्यवहार की समस्याएं भी उत्पन्न उत्पन्न हुई।

Page No. - 248

प्रश्न 5. स्टील का उपयोग कहाँ-कहाँ होता है? सूची बनाएँ।

उत्तर :- स्टील एक आधारभूत वस्तु है, जिसका प्रयोग उद्योग व समाज के हर क्षेत्र में होता है। हम स्टील के बिना आज की दुनिया होने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। भारी उद्योग हो या हल्के उद्योगों पुन निर्माण हो या बिल्डिंग निर्माण हो या घरेलू उपकरण हो या गाड़ियों का या रेलवे हो सभी क्षेत्रों में स्टील का प्रयोग होता है। स्टील आज के उद्योग व्यापार व समाज के लिए वरन हम कह सकते हैं स्टील को देश की रीढ़ की हड्डी है।

Page No. - 248

प्रश्न 6. आधारभूत उद्योगों की ज़रूरत क्यों है?

उत्तर :- आधारभूत उद्योग अन्य उद्योगों तथा विकास के लिए आने वाले कार्यों में इस्तेमाल होने वाले सभी संसाधन उपलब्ध कराता है। इन वस्तुओं के बगैर नहीं किसी उद्योग की स्थापना तथा पुननिर्माण, रेलवे या कोई मूल विकास के कार्य संभव नहीं है।

Page No. - 248

प्रश्न 7. परियोजना कार्य- अपने आसपास के किसी भी कारखाने का उदाहरण लेते हुए एक रिपोर्ट लिखिए कि वहाँ पूंजी एवं उत्पादन की तकनीक व्यवस्था कैसे की गई?

उत्तर :- हमारे आसपास या तो बहुत से छोटे बड़े कल कारखाने तथा उद्योग स्थापित है, परंतु इनमें सबसे महत्वपूर्ण दुर्ग, भिलाई के उद्योग हैं। जिसकी स्थापना सरकार द्वारा सर्वप्रथम की गई, जो आधारभूत उद्योग है। जिसकी पूंजी की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई, तथा उत्पादन और वितरण भी सरकार द्वारा ही किया जाता है।

Page No. - 249

प्रश्न 8. अपने आस-पास से विनिर्माण के उत्पादों की एक सूची बनाइए।

उत्तर :- विनिर्माण क्षेत्र उद्योग का वह क्षेत्र है, जिसमें आधारभूत वस्तुएं जैसे गैस, बिजली, जल, खनन, पेट्रोलियम आदि आते हैं। हमारे आसपास विनिर्माण क्षेत्र की वस्तुओं में प्रमुख उद्योग है जैसे सीमेंट उद्योग, स्टील उद्योग, बिजलीघर तथा जल आधारित हैवी प्लांट स्थापित है।

Page No. - 249

प्रश्न 9. कारखानों में उत्पाद कैसे बनाए जाते हैं? चर्चा कीजिए।

उत्तर :- कारखानों में सर्वप्रथम आधारभूत उद्योगों के कारखाने आते हैं, जहां पर कच्चे माल को रासायनिक प्रक्रिया द्वारा प्रसंस्कृत किया जाता है, तथा उपयोग होने लायक बनाया जाता है, तत्पश्चात उस वस्तु या माल को अन्य कारखानों में भेजा जाता है, जिसके सहयोग से बहुत से प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं व सामान बनाए जाते हैं।

Page No. - 249

प्रश्न 10. पर्यावरण एवं लोगों पर उद्योगों का क्या प्रभाव पड़ रहा है? चर्चा कीजिए।

उत्तर :- औद्योगीकरण के कारण देश का तथा जनता का विकास तो बहुत तेजी से हुआ, लोगों को गरीबी से बाहर लाने में मदद मिली, बेरोजगारी की समस्या का हल हुआ, दरों में बड़े पुल, सड़कें, बिजली, घर, रेलवे की स्थापना हुई, जिससे लोगों को सुविधा हुई, तथा जीवन आसान हुआ, परंतु इसके कुछ दुष्प्रभाव भी सामने आए जिसमें पर्यावरण प्रमुख औद्योगीकरण तथा नए शहरों के बसने के कारण वनों का विनाश हुआ तथा कारखानों से निकलने जहरीले धुएं तथा अपशिष्ट के कारण हवा तथा नदियां प्रदूषित हो गए, मशीनों तथा गाड़ियां व वायु यान रेलवे से ध्वनि प्रदूषण की समस्या भी उत्पन्न हुई। फल स्वरूप जिसको प्रभाव से मानव जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ा, लोगों में भिन्न प्रकार की मानसिक तथा शारीरिक बीमारियां तथा विकृतियां उत्पन्न हो रही।

Page No. - 250

प्रश्न 11. रोजगार के नए अवसर कहाँ-कहाँ प्राप्त हो सकते हैं? चर्चा करें।

उत्तर :- रोजगार के अवसर औद्योगीकरण के बाद हर क्षेत्र में उपलब्ध हुए, जिनमें प्रमुख रूप से कपड़ा उद्योग तथा खाद्य संस्करण उद्योग तथा स्टील उद्योग हैं। क्योंकि इन क्षेत्रों में भारत पूरी तरह आत्मनिर्भर है तथा कृषि द्वारा भी नए-नए किस्म के प्रौद्योगिकी विकास में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

Page No. - 250

प्रश्न 12. क्या आपके आस-पास खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संभावना है? चर्चा करें।

उत्तर :- हमारे आसपास खाद्य संस्करण की तमाम उद्योग स्थापित भी है, और उनके स्थापित करने की संभावना भी है, जिनमें दूध मांस तथा अन्य अनाजों द्वारा तैयार खाद्य प्रकार हैं।

Page No. - 251

प्रश्न 13. औद्योगिक प्रदूषण को कम करने के लिए कई तकनीकी उपाय हैं जिन्हें अक्सर लागू नहीं किया जाता है। शिक्षक की मदद से उनके बारे में पता कीजिए।

उत्तर :- औद्योगिक प्रदूषण, औद्योगीकरण के बाद उत्पन्न हुई सबसे प्रमुख व भयावह समस्या है, जिसे सरकार द्वारा नियंत्रित करने के उपाय किए जा रहे हैं। परंतु यह सिर्फ सरकार द्वारा संभव नहीं है, जब तक कि इस समस्या के लिए आम जनता जागरूक नहीं होगा, जिसके लिए उद्यमियों को नई तकनीक अपनाना हो तथा वन क्षेत्रों को बढ़ाना होगा, प्रदूषित पानी को नदियों में डालने से रोकना होगा, कचरे को रीसाइक्लिंग प्लांट लगाने होंगे तथा प्लास्टिक उद्योग के प्रयोग को हतोत्साहित करना होगा।

Page No. - 251

प्रश्न 14. उद्योग के लिए भूमि की आवश्यकता पर गहरा विवाद क्यों है?

उत्तर :- उद्योग स्थापित करने के लिए भूमि पहली आवश्यकता है। उद्योगों की स्थापना से भूमि तथा वन का क्षेत्रफल घटता जा रहा है, जिसके कारण आदिवासियों का विस्थापन तथा किसानों को खेती का रकबा कम हो रहा है, जिसके कारण तथा मजदूर वर्ग बन रहा है, जो एक घातक

सूचना है, इस को रोकना जरूरी है, क्योंकि प्रकृति के साथ मिलकर प्रगति करनी होगी तभी हम सुरक्षित रह पाएंगे।

Page No. - 251

प्रश्न 15. विनिर्माण को बढ़ावा देने से क्या लाभ हो सकता है?

उत्तर :- विनिर्माण क्षेत्र मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करता है, जो कि कारखानों तथा उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराता है, परन्तु विनिर्माण क्षेत्र में विकास पूंजी की आवश्यकता पड़ती, जिसे विदेशी व निजी क्षेत्र को आमंत्रित किया जा रहा है। जिससे अधिक विकास को गति मिलेगी तथा बेरोजगारी की समस्या का हल होगा।

Page No. - 251

प्रश्न 16. असंगठित क्षेत्रों में कार्य करने वाले मज़दूरों के लिए सुरक्षा के क्या उपाय हो सकते हैं?

उत्तर :- असंगठित क्षेत्र वह क्षेत्र है जिसमें छोटे कल कारखाने तथा प्राइवेट संस्थान शामिल हैं जिनके कर्मचारियों या श्रमिकों को सरकार द्वारा किसी प्रकार नियंत्रण नहीं होता है। इस कारण उनका शोषण होता है, जिसमें अधिक घंटे का काम लेना तथा कम वेतन देना छुट्टियों के वेतन, बीमारी के समय का वेतन आदि शामिल है। सरकार द्वारा नियम बनाए गए हैं, परन्तु इस पर बहुत कार्यवाही नहीं की जाती परन्तु इस क्षेत्र पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

Page No. - 253

प्रश्न 17. सेवा के कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ लोगों को लगातार काम नहीं मिलता। समझाइए।

उत्तर :- सेवा क्षेत्र का विकास तो हुआ परन्तु रोजगार के लिए सेवा क्षेत्र को जो योगदान करना चाहिए था वह नहीं हो पाया तथा सेवाक्षेत्र में होटल परिवहन तथा छोटे दुकानदार आदि आते हैं परन्तु इनके लिए हमेशा काम मिलना मुश्किल होता है जिसका कारण सामयिक कार्य तथा आर्थिक उतार-चढ़ाव है।

Page No. - 253

प्रश्न 18. संचार साधनों के विकास से हमें कौन-कौन-सी सुविधाएं प्राप्त होने लगी हैं?

उत्तर :- संचार के कारण हमारी दुनिया बहुत छोटी हो गई है संचार के मुख्यतः साधन रेडियो, टी वी मोबाइल अखबार हैं। जिनमें सबसे क्रांतिकारी साधन मोबाइल-इंटरनेट है जिसके कारण आज आदमी हाथ में सारी दुनिया की जानकारी आ गई है। तथा वह घर बैठ कर बैंक, अस्पताल, कोर्ट, सरकार, देश-विदेश, सभी की जानकारी प्राप्त कर सकता है, तथा रुपये पैसे का लेन देन कर सकता है, तथा वह वस्तु का आत्म स्थिति जान सकता है, मनोरंजन कर सकता है। बहुत सारी सुविधाएं प्राप्त हुई जो वर्णित है।

Page No. - 253

प्रश्न 19. परियोजना कार्य- आपके आसपास दुकानों में काम करने वाले किसी मजदूर के आय-व्यय के बारे में जानकारी प्राप्त कर रिपोर्ट लिखें।

उत्तर :- हमारे आस पास बहुत सी दुकानों पर काम करने वाले लोग हैं जिनको हम जानते हैं कि जिनकी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है अधिकांश लोग शहर के बाहर या शहर के ही हैं जो शहर के बाहर के हैं वो किराये के मकान में रहते हैं तथा मकान किराया व राशन पानी बिजली के बाद मुश्किल से अपनी आम जरूरतें पूरी कर पाते हैं। तथा जो शहर के हैं वो भी तकरीबन इसी स्थिति में हैं जो कि आवश्यकता पूरी करने में ही रह जाते हैं बचत के नाम पर इनके हाथ हमेशा खाली रहते हैं। छोटे मोटे खर्चे ऊपर से चढ़े रहते हैं। इनकी स्थिति को अच्छी नहीं कह सकते हैं।

Page No. - 254

परियोजना कार्य-

प्रश्न 20. आप अपने आस-पास की सामुदायिक, सामाजिक एवं निजी सेवाओं की सूची बनाइए।

उत्तर :- हमारे समाज में सामुदायिक, सामाजिक, निजी सेवा में मुख्यतः सरकारी सेवा या स्वास्थ्य तथा निजी सेवा में है। जिनमें अधिकारी, कर्मचारी, वकील, डॉक्टर, नर्स, सफाई कर्मी, टेलर, नाउ, अन्य छोटे दुकानदार, मिस्त्री आदि आते हैं।

Page No. - 254

प्रश्न 21. बी.पी.ओ. (बिजनेस प्रोसेस आउट सोर्सिंग) आज सेवा क्षेत्र में लोगों के रोज़गार के अवसर बढ़ा रहा है।

उत्तर :- औद्योगिक क्रांति के बाद संचार क्षेत्र में तकनीकी क्रांति आई जिसमें कंप्यूटर सबसे महत्वपूर्ण है जिससे सारे विश्व की स्थिति को बदल दिया जिसने व्यवसाय तथा उत्पादन तथा ग्राम की स्वरूप को पूरी तरह बदल कर रख दिया था जिसे बी पी ओ एक महत्वपूर्ण क्षेत्र साबित हो रहा है बी पी ओ का उपयोग करके विश्व में किसी कोने की सूचना प्राप्त की जा सकती है जिसके कारण तमाम कॉल सेंटर खुल गये हैं। तथा लोगों को एक नए क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्राप्त हो रहा है।

Page - 255

प्रश्न 22. क्या आप ऐसे उदाहरण दे सकते हैं जहाँ सेवाओं में भी रोज़गार के अवसर बढ़े हैं?

उत्तर :- सेवा क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। परन्तु कुछ क्षेत्रों द्वारा रोजगार में पर्याप्त अवसर नहीं पैदा कर पाया परन्तु हम यदि कृषि तथा परिवहन विनिर्माण का विस्तार करें तथा इनको एक सूत्र में जोड़कर कार्य करें तो सेवा क्षेत्र का विस्तार हो सकता है तथा वे रोजगार के नये अवसर उत्पन्न हो सकते हैं।

Page - 255

प्रश्न 23. सेवा क्षेत्र में आने वाले उपक्षेत्र कौन-कौन से हैं?

उत्तर :- सेवा क्षेत्र के उपक्षेत्र निम्न है :-

जैसे कि - व्यापार, बीमा स्थायी संपदा, बैंकिंग, सामुदायिक, सामाजिक एवं निजी सेवा, होटल, रेस्टोरेन्ट, परिवहन भण्डारण तथा संचार।

Page - 255

अभ्यास-

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(अ) उद्योगों में मशीनों के बढ़ते प्रयोग से रोजगार के अवसरों में देखने को मिल रही है-

- (क) वृद्धि (ख) कमी
(ग) अपरिवर्तन (घ) इनमें से कोई नहीं

(ब) एक आधारभूत उद्योग है-

- (क) सूती वस्त्र उद्योग (ख) कागज उद्योग
(ग) लौह इस्पात उद्योग (घ) हथकरघा उद्योग

(स) वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद में सबसे अधिक योगदान है-

- (क) कृषि क्षेत्र (ख) उद्योग क्षेत्र
(ग) सेवा क्षेत्र (घ) इनमें से कोई नहीं

(द) रोजगार की अवधि नियमित होती है -

- (क) संगठित क्षेत्र (ख) असंगठित क्षेत्र
(ग) संगठित एवं असंगठित क्षेत्र (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर :- i) (क) वृद्धि, ii) (ग) लौह इस्पात उद्योग, iii) (ख) उद्योग क्षेत्र, iv) (क) संगठित क्षेत्र।

प्रश्न 2. नीचे लिखे पदों को संक्षिप्त में समझाइए-

1. संचार एवं उसके साधन
2. बैंकिंग एवं बीमा
3. इंटरनेट
4. उत्पादन में वृद्धि
5. विनिर्माण
6. भण्डारण
7. खाद्य प्रसंस्करण
8. सामुदायिक सेवाएँ
9. निजी सेवाएँ

10. वैश्विक सेवाएँ
11. स्थाई संपदा
12. सूचना प्रौद्योगिकी

उत्तर :- 1. संचार एवं उसके साधन :- संचार के प्रमुख साधन हमारे आसपास रेडियो टेलीविजन मोबाइल इंटरनेट पत्र पत्रिकाएं इत्यादि हैं जिससे हम सूचनाओं और जानकारीयों का आदान प्रदान करते हैं तथा नकदी का हस्तांतरण कर सकते हैं।

2. बैंकिंग एवं बीमा :- बैंक और बीमा क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था को एक दिशा देते हैं, तथा उद्योग को व्यापार के लिए धन उपलब्ध कराते हैं, तथा छोटी-बड़ी बचत को बढ़ावा देते हैं तथा आम आदमी को सुरक्षा प्रदान करते हैं।

3. इंटरनेट :- इंटरनेट के माध्यम से आज के दौर में सभी कार्य किए जा रहे हैं। जिसे संचार सूचनाओं का आदान प्रदान तथा हस्तांतरण अपराधियों को नियंत्रण तथा शिक्षा में उन्नति व विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी हैं।

4. उत्पादन में वृद्धि :- सभी आधुनिक मशीनों के तथा संचार साधनों द्वारा उत्पादन में सहयोग किया गया तथा आधारभूत ढांचे द्वारा उत्पादन में भारी वृद्धि की गई। बैंकों द्वारा अधिक उत्पादन के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध हुआ। सरकारों की निर्यात नीति का अहम सहयोगी है।

5. विनिर्माण :- विनिर्माण क्षेत्र द्वारा देश को प्रगति की नई दिशा प्रदान की गई तथा रोजगार के नए अवसर प्रदान किए गए, सड़कों तथा तमाम कल कारखाने स्थापित किए गए, जिसे आर्थिक तथा औद्योगिक क्रांति का एक स्वर्णिम युग का आरंभ हो सका।

6. भंडारण :- भण्डारण किसी उत्पाद का भंडार करना बहुत ही आवश्यक होते हैं। जिससे समानता पूर्ति पूरे देश तथा विदेशों को उसकी मांग के अनुरूप तुरंत किया जा सके, तथा जो भी खराब होने से बचाया जा सके।

7. खाद्य प्रसंस्करण :- खाद्य प्रसंस्करण द्वारा हम किसी भी अनाज फसल को अन्य खाने के सामान उपयोग में लाने योग बनाते हैं, तथा उसके द्वारा किसानों और व्यापारियों को अच्छे लाभ, रोजगार की प्राप्ति होती है। जैसे ब्रेड, पनीर, जूस आदि।

8. सामुदायिक सेवाएँ :- सामुदायिक सेवाएं सरकार द्वारा आम जन को लाभ वितरित करने हेतु सामुदायिक सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। जिसमें अस्पताल, स्कूल, शिक्षण संस्थान, तथा रन बसंत वृद्ध आश्रम तथा सामूहिक विवाह है। जिसमें कम खर्च में भी सभी को सहायता प्राप्त हो सके।

9. निजी सेवाएँ :- निजी सेवाएं किसी व्यक्ति द्वारा या संस्था द्वारा दिए जाने वाले सेवा हैं। जैसे वकील, डॉक्टर या दुकानदार का परिवहन आजकल हर क्षेत्रों में निजी सेवा उपलब्ध हो गई है।

10. वैश्विक सेवाएँ :- वैश्विक सेवाएं का विस्तार औद्योगिक करण तथा तकनीकी विभाग के कारण बहुत तेजी से हुआ है। जिसमें दुनिया के सारे क्षेत्र विश्व के किसी भी हिस्से में अपनी सेवा को देते हैं तथा मूल्य लेते हैं।

11. स्थाई संपदा :- स्थाई संपदा लगभग प्राकृतिक संपदा होती है, जो जमीनों तथा अन्य अयस्क वनों तथा विनिर्माण द्वारा उत्पन्न की गई होती है। जिसका मूल्य हमेशा बना रहता है तथा उसमें वृद्धि होती रहती है।

12. सूचना प्रौद्योगिकी :- सूचना प्रौद्योगिकी इंटरनेट के आने के बाद बहुत तेजी से विकास करने वाला क्षेत्र है। जिसमें बहुत ही कम समय में हम किसी की जानकारी का सारे विश्व या देश में या किसी व्यक्ति या समाज को पहुंचा सकते हैं।

Page No. - 256

प्रश्न 3. हमारे देश में स्वतंत्रता के पश्चात आधारभूत उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया गया। इसके कौन-कौन से कारण हैं?

उत्तर : किसी भी राष्ट्र को तेजी से विकास करने के लिए सड़कों, रेल मार्गों तथा पुलों तथा विशाल व्यावसायिक परिसरों का होना एक प्रथम शर्त है, जो कि विनिर्माण क्षेत्र द्वारा पूरा किया जाता है।

Page No. -256

प्रश्न 4. बहुत सी सेवाएँ कृषि एवं विनिर्माण से जुड़ी हुई हैं। उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर : कृषि व विनिर्माण एक बहुत ही व्यापक क्षेत्र है। जिसमें बहुत विभाग आते हैं, दोनों ही क्षेत्रों में डॉक्टर, इंजीनियर, बैंक, श्रमिक तथा सरकारी कर्मचारी, अधिकारी होते हैं, जो इन क्षेत्रों में सेवाएं देते हैं।

Page No. - 256

प्रश्न 5. सेवा क्षेत्र में दोहरा रूप दिखाई देता है। इसे स्पष्ट समझाइए।

उत्तर : सेवा क्षेत्र एक व्यापक क्षेत्र होने के कारण इसमें संगठित व असंगठित दोनों प्रकार की सेवाएं हैं, तथा बहुत ही विसंगतियां भी हैं।

Page No. - 256

प्रश्न 6. सन् 1990 के बाद औद्योगिक नीति में परिवर्तन की आवश्यकता क्यों हुई? समझाइए।

उत्तर : 90 के दशक के बाद विश्व की सभी देश तथा तकनीकी व स्थाई वर्ग के माध्यम से नए-नए आयाम स्थापित करने लगे थे। लड़ाईयों का दौर समाप्त हो चुका था। पुराने सारे पैमाने, परंपराएं समाप्त हो रही थी। दुनिया चांद, मंगल पर जा रही थी। अतः इस दौड़ भरे में बने रहने के लिए नीतियों में परिवर्तन जरूरी था।

Page No. - 256

प्रश्न 7. दण्ड आरेख को देखकर बताइए कि-

अ. बिजली उत्पादन में क्या परिवर्तन दिखाई दे रहा है?

ब. देश के आर्थिक विकास में इसका क्या योगदान है?

उत्तर : अ. दंड आरेख में प्रदर्शित आंकड़ों को देखकर हम जान सकते हैं कि बिजली का उत्पादन 1950 से 2011 तक बढ़कर 10 गुना हो चुका है।

ब. बिजली देश की लाइफ लाइन है, इसके बिना आपकी किसी भी जीवन की कल्पना व्यर्थ है। बिजली आने के बाद देश का आर्थिक विकास बहुत तेजी से हुआ। सभी कारखाने तथा उद्योग व कम खर्च में कम समय में अधिक उत्पादन तथा विस्तार कर पाए।

Page No. - 256

प्रश्न 8. उद्योगों से पर्यावरण को हानि कैसे होती है? इसे समझाइए एवं इसके बचाव के उपाय बताइए।

उत्तर : उद्योगों को स्थापित करने में भूमि की जरूरत होती है, जिसके लिए वनों को समाप्त किया गया तथा भूमि रासायनिक प्रक्रिया द्वारा बंजर हो गई और कारखानों के अपशिष्ट नदियों में गिराए गए। अतः हवा और पानी दोनों ही दूषित हो गए हैं। मशीनों तथा मोटर गाड़ी, रेलमार्ग बहुत भारी ध्वनि प्रदूषण भी हुआ। जिसका उपाय यह है कि नए वन क्षेत्र बनाए जाएं तथा नदियों में अवशिष्ट न डाले जाएं तथा आम जनता को और जागरूक किया जाए।

Page No. - 256

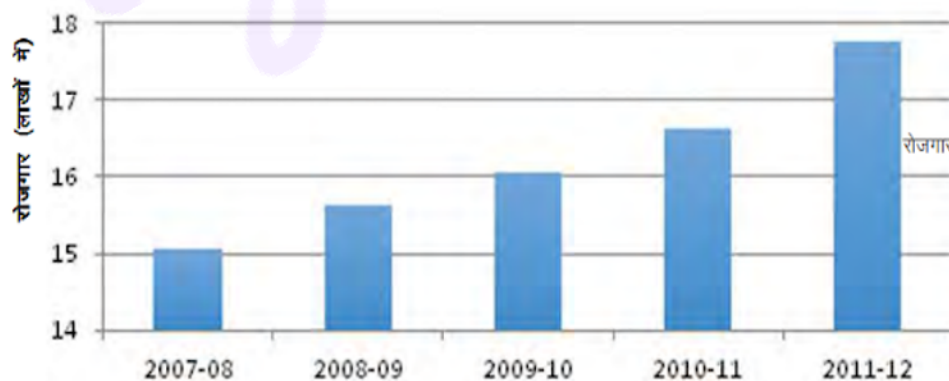
प्रश्न 9. क्या असंगठित क्षेत्र श्रमिकों की सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा देता है? इसका उत्तर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत किसी एक श्रमिक के साक्षात्कार के आधार पर दीजिए।

उत्तर : असंगठित क्षेत्र के मजदूर श्रमिक से बातचीत के आधार पर हम कह सकते हैं कि क्षेत्र में हर समय समान रूप से कार्य उपलब्ध होना तथा किसान भिन्न क्षेत्रों में नियंत्रित पारिश्रमिक का होना है तथा अंधाधुन महंगाई के दौर में छोटी बचत को बढ़ाना है, तथा उनकी तकनीकी कौशल न होना तथा नशे की लत भी है, जो उनके असुरक्षा को बढ़ाती है।

Page No. -256

प्रश्न 10. पृष्ठ 249 पर खाद्य प्रसंस्करण में रोजगार के दंड आरेख 17.6 के आंकड़ों को एक तालिका बनाकर प्रस्तुत कीजिए।

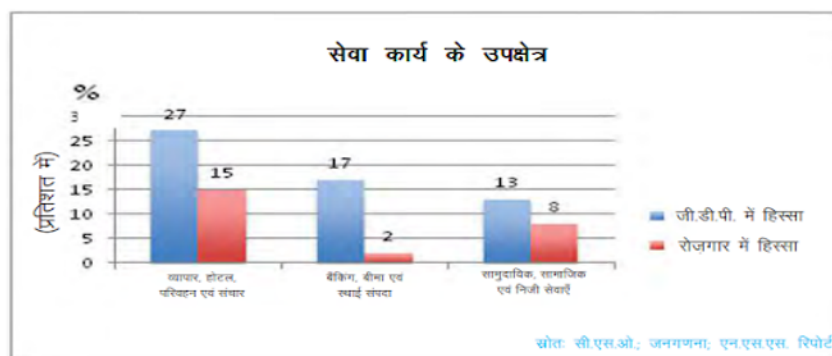
उत्तर :



दण्ड आरेख 17.6 : खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में रोजगार

Page No. - 256

प्रश्न 11. दण्ड आरेख 17.9 में दर्शाए गए सेवा कार्य के उपक्षेत्र के आंकड़ों को तालिका बनाकर प्रस्तुत कीजिए एवं इसकी व्याख्या कीजिए
उत्तर :



दण्ड आरेख 17.9 :सेवा कार्य के उपक्षेत्र

दंड आरेख में दिखाए गए आंकड़ों के अनुसार देश की जी.डी.पी में सेवा क्षेत्र का योगदान बहुत कम रहा है | जिस को तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है।